भारत सरकार
मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय
मत्स्यपालन विभाग

लोक सभा
तारांकित प्रश्न संख्या 238
04 अगस्त, 2026 को उत्तर के लिए

प्रधान मंत्री मत्स्य संपदा योजना

* 238. श्री नवसकनी के.:

क्या मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने तमिलनाडु में सतत मात्स्यिकी को बढ़ावा देने के लिए प्रमुख पहल की हैं और यदि हां, तो विगत पांच वर्षों के दौरान समुद्री और अंतर्देशीय मात्स्यिकी को बढ़ाने, मत्स्य संसाधनों के संरक्षण और मछुआरों की आजीविका के लिए कार्यान्वित किए गए कार्यक्रमों का ब्यौरा क्या है;

(ख) तमिलनाडु में प्रधान मंत्री मत्स्य संपदा योजना (पीएमएमएसवाई) और मछली पकड़ने के बंदरगाहों, मछली उतारने वाले केन्द्रों, शीत शृंखला अवसंरचना, मूल्यवर्धन, जलकृषि और सजावटी मत्स्यपालन के लिए अन्य केन्द्रीय योजनाओं के अंतर्गत स्वीकृत परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है;

(ग) सरकार द्वारा पूरे तमिलनाडु में मात्स्यिकी क्षेत्र में गहरे समुद्र में मछली पकड़ने, समुद्री कृषि, समुद्री शैवाल की खेती, मछली पकड़ने की आधुनिक पद्धतियों, मछली पकड़ने के बाद के प्रबंधन और डिजिटल प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देने के लिए क्या उपाय किए गए हैं;

(घ) क्या सरकार के पास तमिलनाडु के रामनाथपुरम जिले में मछुआरों, समुद्री शैवाल की खेती, समुद्री कृषि, मछली प्रसंस्करण और बंदरगाह अवसंरचना के लिए सहायता सहित सतत मात्स्यिकी और नीली अर्थव्यवस्था पहलों को सुदृढ़ करने का कोई प्रस्ताव है; और

(ङ) सरकार द्वारा रामनाथपुरम जिले के मात्स्यिकी क्षेत्र में आजीविका के अवसरों, महिलाओं की भागीदारी, मत्स्य सहकारी समितियों, कौशल विकास और निर्यात क्षमता को बढ़ाने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री
(श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह)

(क) से (ङ) : एक विवरण सदन के पटल पर रख दिया गया है।

*****

माननीय संसद सदस्य श्री नवसकनी के. द्वारा प्रधान मंत्री मत्स्य संपदा योजना के संबंध में पूछे गए 4 अगस्त 2026 के लोकसभा तारांकित प्रश्न संख्या 238 के उत्तर में उल्लिखित विवरण

(क): मत्स्यपालन विभाग, भारत सरकार (DoF, GoI) ने पिछले पांच वर्षों के दौरान तमिलनाडु सहित देश में मत्स्यपालन, जलीय कृषि के समग्र विकास और मछुआरों के कल्याण के लिए विभिन्न योजनाओं को कार्यान्वित किया है, जिनमें प्रमुख रूप से (i) मत्स्यपालन और जलीय कृषि अवसंरचना विकास कोष (FIDF), (ii) प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (PMMSY), (iii) प्रधानमंत्री मत्स्य किसान समृद्धि सह योजना (PMMKSSY), तथा (iv) मछुआरों और मछली पालकों के लिए किसान क्रेडिट कार्ड (KCC) की सुविधा का विस्तार शामिल हैं। ये योजनाएं मुख्य रूप से अन्य बातों के साथ-साथ समुद्री और अंतर्देशीय मत्स्यपालन को बढ़ावा देने, मत्स्य संसाधनों के संरक्षण तथा मछुआरों की आजीविका और उनके कल्याण को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से तैयार की गई हैं।

(ख) और (ग): मत्स्यपालन विभाग, भारत सरकार ने वर्ष 2020-21 से 2025-26 के दौरान तमिलनाडु में प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (PMMSY) के अंतर्गत परियोजनाओं के कार्यान्वयन के लिए प्रशासनिक स्वीकृतियां प्रदान की हैं, जिसके तहत कुल स्वीकृत परिव्यय ₹1,240.58 करोड़ (बारह सौ चालीस करोड़ अठ्ठावन लाख रुपये) है। इसमें ₹480.09 करोड़ (चार सौ अस्सी करोड़ नौ लाख रुपये) का केंद्रीय हिस्सा, ₹455.61 करोड़ (चार सौ पचपन करोड़ इकसठ लाख रुपये) का राज्य का हिस्सा और ₹272.85 करोड़ (दो सौ बहत्तर करोड़ पचासी लाख रुपये) का लाभार्थी योगदान शामिल है। एफआईडीएफ (FIDF) योजना के अंतर्गत, तमिलनाडु में ₹1,988.35 करोड़ (एक हज़ार नौ सौ अट्ठासी करोड़ पैंतीस लाख रुपये) की कुल परियोजना लागत से 16 मछली मत्स्य बंदरगाहों (फिशिंग हार्बर्स) और 57 मत्स्य लैंडिंग केंद्रों को मंजूरी दी गई है। वहीं, नीली क्रांति योजना (ब्लू रेवोल्यूशन स्कीम) के तहत तमिलनाडु में ₹187.9 करोड़ (एक सौ सतासी करोड़ नब्बे लाख रुपये) की अवसंरचना परियोजनाओं को स्वीकृति दी गई थी। उपर्युक्त योजनाओं के तहत स्वीकृत परियोजनाओं में मत्स्य बंदरगाहों और मत्स्य लैंडिंग केंद्रों का विकास एवं आधुनिकीकरण, कोल्ड-चेन अवसंरचना, पोस्ट-हार्वेस्ट प्रबंधन और मूल्य संवर्धन, गहरे समुद्र में मछली पकड़ने वाले जहाजों सहित आधुनिक मत्स्यन पद्धतियों को बढ़ावा देना, खुले समुद्र में केज कल्चर और समुद्री शैवाल (सी वीड) की खेती सहित मैरीकल्चर, जलीय कृषि व सजावटी मात्स्यिकी तथा पूरे तमिलनाडु में मत्स्यपालन क्षेत्र में डिजिटल प्रौद्योगिकियों का अनुप्रयोग शामिल हैं। प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (PMMSY) के तहत तमिलनाडु राज्य में ₹127.71 करोड़ (एक सौ सत्ताईस करोड़ इक्यात्तर लाख रुपये) की कुल परियोजना लागत से "बहुउद्देशीय सी वीड पार्क (मल्टीपर्पज सीवीड पार्क) की स्थापना" नामक एक परियोजना को मंजूरी दी गई है, जो अभी तक पूर्ण नहीं हुई है।

तमिलनाडु राज्य के लिए प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना और अन्य केंद्रीय योजनाओं के तहत मत्स्य बंदरगाहों, मत्स्य लैंडिंग केंद्रों, कोल्ड-चेन अवसंरचना, मूल्य संवर्धन, जलीय कृषि और सजावटी मात्स्यिकी के लिए स्वीकृत परियोजनाओं का विस्तृत विवरण **अनुबंध-I** में दिया गया है।

मत्स्यपालन विभाग, भारत सरकार ने मत्स्यपालन क्षेत्र के डिजिटलीकरण और आधुनिकीकरण की दिशा में कई पहल की हैं, जिनमें मछली पकड़ने वाले जहाजों के पंजीकरण और लाइसेंसिंग के लिए 'ReALCRaft' वेब पोर्टल, ट्रांसपोंडर और 'नभमित्र' एप्लिकेशन सहित उपग्रह आधारित पोत संचार और सहायता प्रणाली (VCSS), संभावित मत्स्यन क्षेत्र (PFZ) परामर्श, राष्ट्रीय मत्स्य डिजिटल प्लेटफॉर्म (NFDP) के तहत मछुआरों और मछली पालकों को कार्य-आधारित डिजिटल आईडी, प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (DBT), पूरे तमिलनाडु में मत्स्य किसान उत्पादक संगठनों (FFPOs) को ओपन नेटवर्क फॉर

डिजिटल कॉमर्स (ONDC) पर लाना, तथा आईटी-आधारित राष्ट्रीय ट्रेसिबिलिटी क्षमता ढांचा आदि शामिल हैं। इन तकनीकी पहलों का मुख्य फोकस समुद्र में सुरक्षा, वास्तविक समय में नौवहन, आपूर्ति श्रृंखला की ट्रैकिंग, मत्स्यपालन क्षेत्र के सुव्यवस्थित औपचारिकरण और डिजिटल बाजार तक पहुंच सुनिश्चित करने पर केंद्रित है।

(घ) और (ङ): मत्स्यपालन विभाग, भारत सरकार तमिलनाडु के रामनाथपुरम जिले सहित राज्य में सतत मत्स्यपालन को बढ़ावा देने और पारंपरिक मछुआरा समुदायों की आजीविका में सुधार करने के लिए विभिन्न योजनाओं को क्रियान्वित कर रहा है। रामनाथपुरम जिले में विकसित मत्स्यपालन अवसंरचना का विवरण, जिसमें मत्स्य बंदरगाह, मत्स्य लैंडिंग केंद्रों, कोल्ड स्टोरेज सुविधाएं, बर्फ संयंत्र, मछली प्रसंस्करण इकाइयां और जलीय कृषि अवसंरचना शामिल हैं, जिनका विवरण **अनुबंध-II** में प्रदान किया गया है।

रामनाथपुरम जिले में टूना मछली पकड़ने वाले 45 जहाजों को प्राप्त करने के लिए वित्तीय सहायता और संस्थागत ऋण प्रदान किया गया है। मैरीकल्चर, विशेष रूप से सी वीड की खेती को प्रोत्साहित करने के लिए रामनाथपुरम जिले में विभिन्न गतिविधियां शुरू की गई हैं, जैसे कि सीवीड पार्क परियोजना के तहत वलामावुर गांव में सी वीड बीज उत्पादन केंद्र (हब-I) की स्थापना; प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत वर्ष 2021-22 और 2025-26 के दौरान सीवीड कल्चर के लिए 926 लाभार्थियों को ₹1.12 करोड़ (एक करोड़ बारह लाख रुपये) की वित्तीय सहायता; 62 लाभार्थियों को 112 ओपन सी केज कल्चर इकाइयों की स्वीकृति; राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (NCDC) के माध्यम से सी वीड की खेती के अवसरों के विकास पर स्टार्ट-अप परियोजना शुरू करने के लिए ₹50 लाख रुपये की 100% केंद्रीय वित्तीय सहायता; तथा केज कल्चर, सी वीड की खेती और सूखी मछली प्रसंस्करण में लगे 236 सदस्यों वाले 'रामेश्वरम सिगारम मत्स्य किसान उत्पादक संगठन' (FFPO) का गठन शामिल है। इसके अतिरिक्त, देश में सी वीड क्षेत्र के समग्र विकास को सुगम बनाने के लिए आईसीएआर-सीएमएफआरआई (ICAR-CMFRI) के क्षेत्रीय केंद्र, मंडपम में प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत एक 'सी वीड उत्कृष्टता केंद्र' (सेंटर ऑफ एक्सलेन्स) स्थापित किया गया है।

सरकार विभिन्न योजना घटकों के माध्यम से रामनाथपुरम जिले में महिलाओं और मत्स्य किसान उत्पादक संगठनों (FFPOs) की भागीदारी को प्रोत्साहित कर रही है। इसके तहत वर्ष 2025-26 के दौरान केसीसी (KCC) के अंतर्गत 1,678 लाभार्थियों को ₹13 लाख (तेरह लाख रुपये) की ऋण सहायता प्रदान की गई है। साथ ही, मूल्य प्राप्ति को बढ़ाने के लिए कोल्ड चेन सुविधाओं पर आधारित 'फेज चेंज मटेरियल' के साथ 'उच्च गुणवत्ता वाले टूना मछुआरे मत्स्य उत्पादक संगठन (FFPO) क्लस्टरों' की स्थापना के लिए प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के केंद्रीय क्षेत्र योजना घटक के तहत 100% केंद्रीय वित्तीय सहायता से ₹150 लाख (एक करोड़ पचास लाख रुपये) की कुल लागत वाली एक वित्तपोषण पायलट योजना संचालित की जा रही है। इसके अलावा, राज्य सरकार द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, तमिलनाडु मछुआरा महिला बचत सह राहत योजना (TNFWSRS) के तहत रामनाथपुरम जिले में 49,709 मछुआरा महिलाएं लाभान्वित हुई हैं।

सरकार मछुआरों और मछली पालकों के तकनीकी कौशल को बढ़ाने, मत्स्यपालन क्षेत्र में हाल के नवाचारों और सर्वोत्तम प्रथाओं का प्रसार करने के लिए रामनाथपुरम में विभिन्न कौशल विकास और क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित करती है। रामनाथपुरम जिले में मछुआरों और मछली पालकों के लिए लगभग 5,709 प्रशिक्षणार्थियों को कवर करने वाले 90 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनका विस्तृत विवरण **अनुबंध-III** में संलग्न है।

अनुबंध-।

माननीय संसद सदस्य श्री नवसकनी के. द्वारा ''प्रधान मंत्री मत्स्य संपदा योजना'' के संबंध में पूछे गए 4 अगस्त 2026 के लोकसभा तारांकित प्रश्न संख्या 238* के उत्तर के भाग (ख) एवं (ग) में उल्लिखित विवरण

क्र. सं.	परियोजना का नाम	इकाइयां	परियोजना लागत (करोड़ में)
1.	नीली क्रांति योजना के तहत बुनियादी ढांचा परियोजनाएं	02 (1 मत्स्य बंदरगाह और 1 मत्स्य लैंडिंग केंद्र)	₹187.9
2.	PMMSY के तहत बुनियादी ढांचा परियोजनाएं	03 मत्स्य बंदरगाह और 4 मत्स्य लैंडिंग केंद्र	₹155.57
3.	एफआईडीएफ के तहत बुनियादी ढांचा परियोजनाएं	16 मत्स्य बंदरगाह और 57 मत्स्य लैंडिंग केंद्र	₹1988.35
4.	PMMSY के तहत हार्वेस्ट पश्चात अवसंरचना परियोजनाएं	36 आइस प्लांट/कोल्ड स्टोरेज इंसुलेटेड/रेफ्रिजरेटेड वाहनों की 331 यूनिट 1770 मोटरसाइकिल आइस बॉक्स के साथ 60 तिपहिया वाहन 13 जीवित मछली विक्रय केंद्र	₹122.68
5.	PMMSY के तहत जलीय कृषि और सजावटी मत्स्य पालन परियोजनाएं	168 बैकयार्ड सजावटी मछली पालन इकाइयाँ 63 मछली कियोस्क, जिसमें एक्वेरियम/सजावटी मछलियों के कियोस्क भी शामिल हैं सजावटी मछली/एक्वेरियम बाज़ारों सहित 3 मछली खुदरा बाज़ार 30 सजावटी मछली ब्रीडिंग और पालन यूनिट 3 एकीकृत सजावटी मछली इकाइयाँ 57 मीडियम स्केल की सजावटी मछली पालन यूनिट 10 मीठे पानी की फिनफिश हैचरी 37 बीज पालन तालाब 233.69 हेक्टेयर नए ग्रो आउट तालाब और इनपुट सहायता 227.61 हेक्टेयर इनपुट तालाबों को विकसित करने में सब्सिडी सहायता 128 छोटी बायोफ्लोक इकाइयाँ 14 मध्यम बायोफ्लोक इकाइयाँ 21 पुनःपरिसंचरण जलीय कृषि प्रणाली	₹73.26

अनुबंध- II

माननीय संसद सदस्य श्री नवसकनी के. द्वारा ''प्रधान मंत्री मत्स्य संपदा योजना'' के संबंध में पूछे गए 4 अगस्त 2026 के लोकसभा तारांकित प्रश्न संख्या 238* के उत्तर के भाग (घ) एवं (ङ) में उल्लिखित विवरण

नाबार्ड योजनाएँ - चालू परियोजनाएँ			
क्र.सं.	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृति का वर्ष**	**परियोजना लागत (करोड़ रुपये में)**
1	रामनाथपुरम जिले के थंगाचिमदम में मछली लैंडिंग सेंटर में सुधार	2024-25	₹150.00
2	रामनाथपुरम जिले के रोचमनगर गांव में बैट आर्क का निर्माण	2024-25	₹20.00
3	रामनाथपुरम जिले के कुंथुकल में मछली लैंडिंग सेंटर में सुधार	2024-25	₹148.00
4	रामनाथपुरम जिले के पंबन उत्तर गांव में मछली लैंडिंग सेंटर का निर्माण	2024-25	₹58.50
नाबार्ड योजनाएँ - संपन्न परियोजनाएँ			
1	रामनाथपुरम जिला के मेरकुवाड़ी गांव में बैट आर्क का निर्माण	2025-26	₹24.27
FIDF योजनाएं - चालू परियोजनाएं			
1	रामनाथपुरम जिले के थिरुप्पलाईकुडी में मछली लैंडिंग सेंटर का निर्माण	2025-26	₹1.63
2	रामनाथपुरम जिले के नम्बुथलाई में मछली लैंडिंग सेंटर का निर्माण	2025-26	₹1.63
3	रामनाथपुरम जिले के रामेश्वरम में अतिरिक्त अवसंरचना सुविधाएं प्रदान करना	2025-26	₹1.63
4	रामनाथपुरम जिले के वालिनोक्कम में अतिरिक्त अवसंरचना सुविधाएं प्रदान करना	2025-26	₹0.80
5	रामनाथपुरम जिले के मोरेपन्नई में अतिरिक्त अवसंरना सुविधाएं प्रदान करना	2025-26	₹0.80
पीएमएमएसवाई योजनाएं - संपन्न परियोजनाएं			

1	रामनाथपुरम जिले के रामनाथपुरम - उत्तर में 10 मछुआरा गांवों के 75 स्थानों पर आर्टिफिशियल रीफों का निर्माण और स्थापना	2024-25	₹23.25
2	रामनाथपुरम जिले के रामेश्वरम में 4 मछुआरा गांवों की 39 जगहों पर आर्टिफिशियल रीफ का निर्माण और स्थापना	2024-25	₹12.09
3	रामनाथपुरम जिले के मंडपम में 9 मछुआरा गांवों के 9 स्थानों पर आर्टिफिशियल रीफ का निर्माण और स्थापना	2024-25	₹2.79
4	रामनाथपुरम जिले के रामनाथपुरम - दक्षिण में 10 मछुआरा गांवों के 23 स्थानों पर आर्टिफिशियल रीफ का निर्माण और स्थापना	2024-25	₹7.13
पीएमएमएसवाई योजनाएं - चालू परियोजनाएं			
1	रामनाथपुरम जिले के कलिमंगुंडु में जलवायु प्रतिरोधी तटीय मछुआरा गांव का विकास	2024-25	₹1.40
2	रामनाथपुरम जिले के सोलियाकुडी में जलवायु प्रतिरोधी तटीय मछुआरा गांव का विकास	2024-25	₹1.40
3	तमिलनाडु में बहुउद्देशीय समुद्री शैवाल पार्क की स्थापना	2023-24	₹127.71

अनुलग्नक-III

माननीय संसद सदस्य श्री नवसकनी के. द्वारा "प्रधान मंत्री मत्स्य संपदा योजना" के संबंध में पूछे गए 4 अगस्त 2026 के लोकसभा तारांकित प्रश्न संख्या 238* के उत्तर के भाग (घ) एवं (ङ) में उल्लिखित विवरण

क्र. सं.	प्रशिक्षण कार्यक्रम	प्रशिक्षणों की संख्या (बैच)	प्रशिक्षुओं की संख्या
1.	सीवीड वैल्यू एडेड प्रोडक्ट्स और सीवीड SAP और फर्टिलाइजर के प्रोडक्शन पर NFDB प्रशिक्षण	23	575
2.	कम्युनिटी बेस्ड इमरजेंसी रिस्पॉन्स प्रशिक्षण (डिजास्टर तैयारी, इमरजेंसी रिस्पॉन्स और फर्स्ट एड पर फर्स्ट रिस्पॉन्डर प्रशिक्षण)	28	1116
3.	मछुआरों की आजीविका (पाक खाड़ी और मन्नार की खाड़ी के जिले) समुद्री शैवाल की खेती, मूल्य वर्धित मत्स्य उत्पाद, नाव चलाना, इंजन की मरम्मत और रखरखाव, सूखी मछली बनाना, खाने के लिए तैयार उत्पाद, जलीय कृषि और समुद्री कृषि गतिविधियाँ, जाल शिल्प और अपशिष्ट जाल रीसाइक्लिंग जैसे विभिन्न पहलुओं पर	34	3683
4.	सीबास संस्कृति संबंधी प्रशिक्षण	3	225
5.	समुद्री टूना मछली पालन के लिए FSI की प्रशिक्षण, ज़िम्मेदार मछली पालन के लिए आचार संहिता, समुद्री सुरक्षा और टूना हैंडलिंग	2	110